प्रेम यात्रा - कविता संग्रह

अशोक गहलोत

पुस्तक के बारे में

इस कविता संग्रह में दो प्रेमियों की पूर्ण प्रेम कहानी को दर्शाया गया है - एक ऐसी प्रेम गाथा जो जवानी के जोश, प्यार की मिठास, समाज की बंदिशों, संघर्षों और अंत में सच्चे प्यार की गहराई को छूती है। इस संग्रह में न केवल प्रेम की खूबसूरती है बल्कि संघर्ष भी है जो हर प्रेम कहानी का हिस्सा होता है।

प्यार में सिर्फ़ गुलाब की खुशबू नहीं होती, बल्कि इसमें काँटों की चुभन भी होती है। कभी हंसी-खुशी के पल, तो कभी दर्दनाक फैसले। यह संग्रह उन सभी भावनाओं का एक खूबसूरत मिश्रण है, जिसे पढ़ने के बाद हर प्रेमी अपने किसी न किसी अनुभव से जुड़ा हुआ महसूस करेगा।

धन्यवाद पत्र

जैसे की आपको पता है आज के समय में लेखकों को सबसे बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है वो है वित्तीय समस्या इस पुस्तक के लिए **Upvote.Club** के साथियों ने मेरी वित्तीय मदद की जिनका में बहुत आभारी रहूंगा

यहां में **Upvote Club** के कार्यों के बारे में आपको बताना चाहूंगा अगर आप में से किसी को जरूरत हो तो आप उनकी मदद ले सकते है

Every marketer and content creator knows the unspoken rule of promotion: growth on social media is impossible without a constant stream of content and a high level of audience engagement. A quality post alone doesn't guarantee success—if a publication gets no likes or comments, the algorithms simply won't show it to people. This is whispered about in the hallways of conferences but rarely admitted out loud. The truth is, no one succeeds alone: even the best content needs community support to shine in followers 'feeds.

It's not common to openly discuss how some creators actually get their first hundreds of likes. We've all seen someone's post skyrocket and wondered, "What's their secret?" The secret is simple and well known to insiders: behind the scenes, there's a community ready to help. Industry peers agree to mutually support each other's posts—liking, reposting, and leaving thoughtful comments. This starts a snowball effect of activity,

prompting algorithms to promote the content more widely.
Upvote Club helps make happen what many have dreamed of but never dared to ask for: guaranteed feedback on every post and a steady increase in audience. This system lifts part of the burden off the marketer's shoulders—no more wondering if a post will "hit." The Upvote Club community is always there to back you up.

We're simply calling things by their names and offering a solution that's long overdue. In a world where authenticity and results matter, this kind of transparent community support is becoming the new standard in promotion.

कविता क्रमांक

1) इश्क की पहली मुलाकात

2) इश्क का इजहार

3) इश्क ने ठुकराया

4) इश्क को मनाया

5) थोड़ी हां**,** थोड़ी ना

6) इजहार से इकरार तक

7) हमसफर के साथ

8) खट्टा मिठ्ठा प्यार

9) इश्क का अलगाव

10) इश्क की तड़प

11) दुबारा मिलन

12) इश्क का इम्तिहान

13) इश्क की जीत

14)शादी के बाद का इश्क

15) मोहब्बत की शरारतें

16) आँगन में गूँजी किलकारी

17) साल गुज़रते रहे**,** प्यार ठहरा रहा

18) झुर्रियों में भी मोहब्बत मुस्कुराई

19) यादों की चादर**,** प्यार की गर्मी

1. इश्क की पहली मुलाकात

जब पहली बार तुम्हें देखा,
दिल ने अजीब सी धुन बजाई।
सांसें हल्की-हल्की काँपी,
नज़रों ने जैसे दास्तां सुनाई।

सड़क किनारे वो हल्की बारिश,
हवा में उड़ते थे कुछ ख्वाब,
तुम्हारी हँसी की वो खनक,
बन गई दिल की सबसे प्यारी किताब।

आँखों में थी मासूमियत की झलक,
होंठों पर थी अनकही बातें,
नज़रों की हल्की सी टकराहट,
बन गई अनजानी सौगातें।

चाय की चुस्की में था सुकून,
खामोशियों में भी बातें हुईं,
इश्क की वो पहली मुलाकात,
बस यूँ ही दिल में बस गईं।

वो शाम अब भी यादों में बसी है,
जब दिल ने पहली बार धड़कना सीखा,
इश्क ने पहली दस्तक दी थी,
और हमने उसे चुपचाप देखा।

2. इश्क का इज़हार

वो पहली मुलाकात के बाद,
दिल में एक हलचल सी थी।
रातें करवटों में कटीं,
ख्यालों में बस वही तस्वीर थी।

हर रोज़ वही राह देखता,
जहाँ पहली बार तुम्हें पाया था।
खुद से ही बातें करता,
तुमसे नज़रे मिलाने को तरसता था।

इश्क दबे पांव दिल में आया,
पर कहने की हिम्मत नहीं थी।
बातों में था प्यार छुपा,
मगर जुबां पर हकीकत नहीं थी।

फिर एक दिन, हिम्मत कर ही ली,
हाथों में एक गुलाब लिया।
काँपते लबों से कह ही दिया,
"तुम्हारे बिना अधूरा हूँ मैं!"

तुम मुस्कुराई, कुछ न कहा,
बस नजरें झुका लीं शर्म से।
दिल की धड़कनें तेज़ हुईं,
जैसे बजी हो धुन किसी सरगम से।

उस दिन इश्क ने पहली सांस ली,
दो दिलों की बात मुकम्मल हुई।
एक नज़र ने कर दिया फैसला,
और मोहब्बत की राह खुल गई।

3. इश्क ने ठुकराया

ख्वाबों में था जो रिश्ता अपना,
हकीकत में वो अधूरा रह गया।
दिल ने जो लफ्ज़ कहे थे,
उनका जवाब ना आया, बस सन्नाटा रह गया।

तेरी नजरों में एक हिचक थी,
तेरे लबों पर बंदिशों का डर,
मैंने इश्क को नाम दिया था,
पर तुझे अभी था थोड़ा सबर।

तूने नजरें फेर ली मुझसे,
एक हल्की मुस्कान के साथ,
बोली— "ये सब जल्दी है,"
और फिर चली गई मेरी बात।

दिल रोया, पर जुबां खामोश रही,
इश्क पहली ठोकर खा गया,
जिसने सांसों में बसेरा किया था,
वो अब पराया हो गया।

रातें सूनी लगने लगीं,
चांदनी भी अब चुभने लगी,
सोचा था तेरा जवाब हाँ होगा,

पर किस्मत की क़लम कुछ और ही लिखी।

पर दिल को अब भी यकीन था,
कि ये इनकार बस एक पल का है,
इश्क की राहें लंबी होती हैं,
शायद तू अब भी मेरे कल का है।

4. आशिक को मनाया

तेरे इनकार के बाद भी,
मैंने हार नहीं मानी थी।
हर रोज़ उसी राह से गुज़रा,
जहाँ पहली मुलाकात हुई थी।

चुपचाप तेरा इंतज़ार किया,
तेरी हाँ का एतबार किया,
पर तेरी आँखों की झिझक में,
इश्क़ का पैगाम छुपा मिला।

मैंने फूलों से तेरा नाम लिखा,
बारिश में भीगकर तुझे पुकारा,
हर लम्हा एहसास कराया,
कि इश्क़ मेरा सच्चा था सारा।

कभी हंसी में, कभी ग़ज़लों में,
कभी तेरी पसंदीदा किताबों में,
छुपे हुए उन लफ़्ज़ों में,
तेरे लिए मैंने प्यार जताया।

तेरी आँखों में थी उलझन,
पर झलक रहा था थोड़ा प्यार।
मैंने तेरा हाथ थामकर कहा,
"इश्क़ की ये राह आसान नहीं यार।"

तू चुप रही, कुछ न बोली,
फिर भी तेरा रुकना सब कह गया।
तेरी आँखों की खामोशी में,
मेरा हर लफ्ज़ बिखर गया।

मैंने ठान लिया, न हारूंगा,
तेरी झिझक को मिटा दूँगा।
इश्क़ का दिया जलाए रखूंगा,
जब तक तू खुद न आ जाएगी।

5. इश्क़ की थोड़ी हां थोड़ी ना

तेरी झिझक, मेरा सब्र,
इश्क़ की ये जंग अनोखी थी।
कभी तू पास, कभी तू दूर,
कभी तेरा दिल मेरी रोशनी थी।

मैंने हर बार तुझे मनाया,
हर बार तेरा जवाब अधूरा था।
कभी हँसी में टाल दिया,
कभी कहा, "अभी थोड़ा और वक्त चाहिए ना!"

तेरी नज़रों में था कुछ खास,
पर लबों पर थी हिचक की जंजीरें।
दिल ने कबूल लिया तुझे,
पर तेरा दिमाग अब भी था ज़ंजीरों में।

इश्क़ की ये पहेली थी,
कभी हाँ, कभी ना थी।
मैंने तेरा दिल पढ़ लिया,
पर तुझे खुद से इकरार ना था।

फिर भी मैंने हार नहीं मानी,
तेरी उलझनों को सुलझाता रहा।
तेरी झूठी नाराज़गी को,
अपनी मोहब्बत से मिटाता रहा।

इश्क़ की राह आसान कहाँ,
हर मोड़ पर थी एक नई कसौटी।
पर मैंने ठान लिया था,
तुझे अपना बनाकर ही रहूँगा।

6. इज़हार से इकरार तक

बहुत दिन तक चला ये सिलसिला,
कभी तेरी हाँ, कभी तेरी ना।
मैंने तेरा हर बहाना सुना,
तेरी उलझनों को समझा।

कभी कहती, "अभी जल्दी है,"
कभी कहती, "थोड़ा सब्र करो।"
पर मेरी आँखों में जो सवाल थे,
वो तेरा दिल भी पढ़ चुका था।

हर रोज़ तुझे मनाने आया,
तेरे हर डर को मिटाने आया।
तेरी झिझक को प्यार से सुलझाया,
तुझे खुद से ज्यादा समझ पाया।

फिर एक दिन, जब तुझे लगा,
कि ये इश्क़ सिर्फ एक ख़्वाब नहीं।
मेरी मोहब्बत कोई खेल नहीं,
बल्कि तेरा सबसे बड़ा जवाब सही।

तूने धीरे से मेरा हाथ पकड़ा,
नज़रों से नज़रें मिला दीं।
तेरी मुस्कान ने कह दिया सब,
तेरी ख़ामोशी ने बात बना दी।

उस पल में सारी दूरियाँ मिट गईं,
सारे शक और सवाल छंट गए।
इश्क़ ने अपनी मंज़िल पा ली,
हम दोनों एक-दूजे में समा गए।

अब कोई रुकावट ना रही,
ना कोई झिझक, ना कोई डर।
हमने मिलकर नए सपने बुने,
प्यार की राह पर चले संग-संग।

7. हमसफ़र के साथ

तेरी 'हाँ' ने जो रंग भरा,
ज़िंदगी में नई बहार आई।
हर लम्हा अब ख़ुशनुमा है,
तेरे साथ से रौनक छाई।

सुबह की किरणों में तेरी मुस्कान,
शाम की चाँदनी में तेरा साथ।
हर पल में बस तेरा एहसास,
ज़िंदगी बन गई है मधुर गीत।

हम साथ चलते रहे राहों पर,
हर मोड़ पर नई कहानी बनी।
तेरी बातों में वो मिठास थी,
जो हर दर्द को भुला देती थी।

कभी बारिश में भीगे हम साथ,
कभी धूप में छाँव बन गए।
तेरे संग हर मौसम सुहाना,
हर दिन एक नया सपना।

तेरे हाथों का स्पर्श मिला,
तो दिल को सुकून सा आया।
हमसफ़र के साथ बिताए पल,
जैसे ख़ुशियों का खज़ाना पाया।

तूने मेरी दुनिया बदल दी,
हर रंग में तेरा अक्स मिला।
हमारी मोहब्बत की ये दास्तां,
अब हर दिल को है रास आई।

8. खट्टा मिट्ठा प्यार

प्यार की राह में चलते-चलते,
हमने साथ में सपने सजाए।
पर हर रिश्ते में आती हैं,
कुछ खट्टी-मीठी तकरारें।

कभी तेरी पसंद पर बहस हुई,
कभी मेरी ज़िद पर तू रूठ गई।
छोटी-छोटी बातों में उलझकर,
हमने भी नादानी की।

तेरी हंसी में छुपी नाराज़गी,
मेरे चुप रहने में थी शिकायत।
पर इन झगड़ों में भी कहीं,
प्यार की मिठास थी समाई।

कभी तूने मनाया मुझे,
कभी मैंने तुझे हंसाया।
इन खट्टे-मीठे लम्हों ने,
हमारे रिश्ते को और गहराया।

हर तकरार के बाद,
हम और करीब आए।
समझा एक-दूजे को बेहतर,
प्यार में नई रंगत पाई।

इन नोक-झोंक की कहानियों में,
हमने रिश्ते की मजबूती पाई।
अब जानते हैं हम दोनों,
कि प्यार में तकरार भी ज़रूरी है भाई।

9. इश्क़ का अलगाव

हमारे बीच की तकरारें बढ़ने लगीं,
छोटी-छोटी बातें अब बड़ी लगने लगीं।
प्यार की मिठास में कड़वाहट घुल गई,
हमारी राहें अब अलग होने लगीं।

तेरी नाराज़गी, मेरी चुप्पी,
इन खामोशियों में दूरी बढ़ने लगी।
हमारे बीच की वो समझदारी,
अब कहीं खो सी गई थी।

कभी जो हंसी में बदल जाती थी,
अब वही बातें झगड़ों में ढल गईं।
हमारे दिलों की नज़दीकियाँ,
अब फासलों में तब्दील हो गईं।

एक दिन, जब सब्र का बांध टूटा,
हमने एक-दूसरे से मुंह मोड़ लिया।
प्यार की वो गहरी नदी,
अब सूखी धरती में बदल गई।

ब्रेकअप का वो लम्हा,
दिल को चीरता हुआ गुज़रा।
हम दोनों ने चुनी अलग राहें,
पर यादें पीछे छोड़ गया ये सफ़र।

दूरियों ने हमें सिखाया,
प्यार में सब्र का महत्व।
हमने खो दिया एक-दूसरे को,
पर दिल अब भी तड़पता है।

10. इश्क़ की तड़प

तेरी जुदाई का ग़म सीने में बस गया,
हर लम्हा तेरी यादों का साया बन गया।
तेरे बिना ये ज़िंदगी वीरान सी है,
हर खुशी में अब एक खालीपन सा है।

तेरे साथ बिताए वो हसीन पल,
अब ख्वाबों में आकर सताते हैं।
तेरी हंसी, तेरी बातें, तेरा साथ,
सब कुछ अब आँखों में आँसू लाते हैं।

रात की तन्हाई में तेरा ख्याल,
दिल को बेचैन कर जाता है।
तेरी यादों की चुभन से,
मेरा हर पल तड़पता है।

कभी सोचा न था, ऐसा भी वक्त आएगा,
तेरे बिना जीना इतना मुश्किल हो जाएगा।
दिल चाहता है फिर से तुझे पास बुलाना,
तेरी बाहों में सुकून से सो जाना।

पर हालात ने हमें जुदा कर दिया,
हमारी मोहब्बत को अधूरा छोड़ दिया।
अब तेरी यादों के सहारे जी रहे हैं,
तेरी तड़प में हर दिन मर रहे हैं।

11. दुबारा मिलन

जुदाई के दिन भारी थे,
हर पल में तन्हाई थी।
तेरी यादों की परछाई में,
मेरी दुनिया वीरान थी।

तू भी वहाँ अकेली थी,
मेरी यादों में डूबी थी।
हम दोनों ने समझा तब,
प्यार की सच्ची गहराई थी।

फिर एक दिन, संयोग से,
हमारी राहें टकरा गईं।
नज़रों ने कहा सब कुछ,
जो लबों से ना कह पाए।

तेरे आँसू, मेरी खामोशी,
सब बयाँ कर गए दिल की बात।
हमने फिर से थामा हाथ,
मिटा दी सारी दूरियाँ साथ।

प्यार ने फिर से रंग जमाया,
हमने नई शुरुआत की।
अब न कोई शिकवा बाकी,
हमने मोहब्बत की इबादत की।

12. इश्क़ का इम्तिहान

हमारे प्यार की कहानी में,
एक नया मोड़ आया था।
जब हमने शादी का सोचा,
परिवार का विरोध सामने आया था।

तेरी जात, मेरा धर्म,
इन बंधनों में हमें बांधा गया।
हमारे प्यार को समझने की बजाय,
परंपराओं का हवाला दिया गया।

तेरे माता-पिता ने कहा,
"ये रिश्ता मुमकिन नहीं है।"
मेरे घरवालों ने भी माना,
"समाज क्या कहेगा?" यही सवाल था।

हमने समझाने की कोशिश की,
प्यार की सच्चाई बताई।
पर उनकी आँखों पर परंपरा की पट्टी,
उन्होंने हमारी बात न सुनी।

दिल टूटा, आँखें नम हुईं,
पर हमने हार न मानी।
प्यार की ताकत पर भरोसा था,
हमने लड़ने की ठानी।

13 इश्क़ की जीत

परिवार को समझा के शादी की
हमारे प्यार के सामने आई दीवार,
परिवार का विरोध बना बड़ी चुनौती।
पर हमने ठानी, न हार मानेंगे,
अपने रिश्ते को मंज़िल तक पहुँचाएंगे।

तेरे घर गए हम समझाने,
प्यार की सच्चाई को बताने।
तेरी माँ की आँखों में आँसू थे,
पर दिल में कहीं प्यार के लिए जगह भी थी।

मेरे माता-पिता से भी की बात,
समझाया उन्हें अपने दिल की बात।
उनकी चिंता, उनकी परवाह,
सबको सम्मान दिया, सबको समझा।

धीरे-धीरे पिघली उनकी कठोरता,
प्यार की गर्मी से बदली उनकी सोच।
उन्होंने देखा हमारी सच्चाई,
और दी हमें अपनी रज़ामंदी की रोशनी।

फिर बंधे हम शादी के बंधन में,
परिवार की दुआओं के साथ।
प्यार ने जीती हर मुश्किल,
हमने पाया अपना सच्चा साथ।

14. शादी के बाद का इश्क़

सात फेरों के बंधन में बंधे,
हमने नए जीवन की राह पकड़ी।
प्यार की नई परिभाषा सीखी,
शादी के बाद की इस दुनिया में।

सुबह की चाय में तेरी मुस्कान,
दिनभर की थकान में तेरा साथ।
छोटी-छोटी बातों में खुशियाँ,
तेरे संग जीने का नया एहसास।

घर की जिम्मेदारियाँ संग निभाईं,
हर मुश्किल में एक-दूजे का हाथ थामा।
प्यार ने पाया नया आयाम,
शादी के बाद की इस मधुर धारा में।

तेरे साथ सजाए नए सपने,
हर खुशी और ग़म में साथ रहे।
प्यार की गहराई को समझा,
शादी के बाद के इस सफर में।

अब जीवन का हर पल सुहाना है,
तेरे साथ से हर दिन नया है।
शादी के बाद का ये प्यार,
हमारी कहानी का सबसे खूबसूरत हिस्सा है।

15. मोहब्बत की शरारतें

शादी के बाद की नई सुबह,
प्यार में घुली मीठी सी हवा।
पर साथ ही आईं छोटी-छोटी तकरारें,
जो रिश्ते को और मजबूत बनाएं।

कभी चाय में चीनी कम,
तो कभी खाने में नमक ज्यादा।
इन बातों पर हंसी-ठिठोली,
फिर प्यार भरी नोक-झोंक।

घर की सजावट पर बहस,
कौन सी तस्वीर कहां लगे।
तेरी पसंद, मेरी पसंद,
इनमें ही दिन गुजरने लगे।

कभी फिल्म के चुनाव पर,
तो कभी सफर की योजना पर।
हमारी राय अलग-अलग,
पर दिल के तार जुड़े रहे।

इन खट्टी-मीठी लड़ाइयों में,
प्यार की मिठास और बढ़ी।
हर तकरार के बाद की सुलह,
रिश्ते में नई चमक भर गई।

16. आँगन में गूंजी किलकारी

सात फेरों के बाद की दुनिया,
प्यार से सजी हमारी दुनिया।
एक नए सफर की शुरुआत हुई,
जब खुशियों की सौगात आई।

तेरे चेहरे की वो चमक,
जब डॉक्टर ने खुशखबरी सुनाई।
मेरे दिल की वो धड़कन,
जब पहली बार नन्हीं धड़कन सुनाई।

नौ महीने की वो प्रतीक्षा,
हर दिन एक नई आशा।
तेरी देखभाल में बीते दिन,
हमारे प्यार का बढ़ता विश्वास।

फिर वो शुभ दिन आया,
जब नन्हा मुन्ना घर आया।
उसकी पहली किलकारी ने,
हमारे दिलों में संगीत बजाया।

तेरी गोद में सिमटा वो चेहरा,
मेरे हाथों में उसकी नन्हीं उंगलियां।
हम दोनों की दुनिया बदल गई,
जब हम माँ-बाप बने पहली बार।

रातों की नींदें हुईं कम,
पर खुशियों का कोई हिसाब नहीं।
उसकी मुस्कान में हमने पाया,
जीवन का सबसे अनमोल खजाना।

अब हमारी जिम्मेदारियाँ बढ़ीं,
पर प्यार में और भी मिठास आई।
नन्हे कदमों की आहट से,
हमारे घर में रौनक छाई।

उसकी हर छोटी खुशी में,
हमने अपनी दुनिया बसाई।
माँ-बाप बनने की इस यात्रा में,
हमने प्यार की नई परिभाषा पाई।

17. साल गुजरते रहे, प्यार ठहरा रहा

वक़्त की रफ़्तार में,
हमने साथ-साथ कदम बढ़ाए।
साल दर साल बीतते गए,
पर हमारा प्यार और गहरा होता गया।

जीवन की आपाधापी में,
कभी हंसी, कभी आँसू मिले।
पर हर मोड़ पर,
हमने एक-दूसरे का साथ न छोड़ा।

तेरी मुस्कान की वो चमक,
आज भी मेरे दिल को छू जाती है।
तेरी आँखों की वो चमक,
मेरे जीवन को रोशन करती है।

हमारे बच्चों की खिलखिलाहट में,
हमने अपनी जवानी को फिर से जिया।
उनकी खुशियों में,
हमने अपनी खुशियों को पाया।

अब जब आधी जिंदगी गुजर गई,
हमारी मोहब्बत की कहानी अमर है।
वक़्त ने हमें बुना है,
एक अटूट धागे में।

तेरे साथ बिताए ये पल,
मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं।
हमारे प्यार की ये दास्तान,
हर दिल को छू जाए ऐसी है।

18. झुर्रियों में भी मोहब्बत मुस्कुराई

जीवन की सांझ में, हाथों में हाथ थामे,
हमने मिलकर हर राह को आसान बनाया।
सफ़ेद होते बालों में, झुर्रियों की लकीरों में,
हमारे प्यार ने नई चमक को पाया।

वो सुबह की सैर, धीमे कदमों से,
बेंच पर बैठकर पुरानी बातें दोहराना।
तेरी हंसी में आज भी वही खनक है,
जो जवानी में दिल को भाता था।

चश्मे के पीछे से तेरी मुस्कान,
मेरे दिल को आज भी वही सुकून देती है।
तेरे बिना एक पल भी अधूरा सा लगता है,
तू है तो हर दिन मेरा पूरा सा लगता है।

बच्चों की फिक्र, उनकी खुशियों में,
हमने अपनी दुनिया को बसाया।
अब नाती-पोतों के साथ खेलते हुए,
हमने फिर से बचपन को जी लिया।

बीमारी की रातों में, तेरी सेवा का जज़्बा,
तेरे प्यार की गहराई को और बढ़ाता है।
हमारे बीच का ये अनमोल रिश्ता,
हर परीक्षा में खरा उतरता है।

अब जब जीवन की ढलान पर हैं,
तेरा साथ मेरे लिए सबसे बड़ा सहारा है।
तेरी मुस्कान में मेरी दुनिया बसती है,
तेरे बिना ये जीवन अधूरा सा लगता है।

19. यादों की चादर, प्यार की गर्मी

साँझ की ढलती रोशनी में,
हम दोनों बैठे बरामदे में।
हाथों में हाथ थामे,
यादों की किताब खोलते हैं।

वो पहली मुलाक़ात की झलक,
जब आँखों ने बातें की थीं।
दिल की धड़कनें तेज़ हुई थीं,
प्यार की वो पहली निशानियाँ।

तेरी मुस्कान की वो मिठास,
मेरे दिल को भा गई थी।
हमारे बीच की वो शरारतें,
जैसे कल की ही बातें हों।

वो छुप-छुप कर मिलना,
चाँदनी रातों में बातें करना।
प्यार के वो ख़त,
जो आज भी सँभाल कर रखे हैं।

शादी के बाद की वो नोक-झोंक,
खट्टी-मीठी तकरारें।
फिर नन्हें मुन्नों की किलकारियाँ,
घर आँगन में गूँजती रहीं।

अब जब बाल सफ़ेद हो गए हैं,
और चेहरे पर झुर्रियाँ आ गई हैं।
हमारी मोहब्बत की कहानी,
और भी हसीन लगती है।

तेरे साथ बिताए हर पल,
मेरे जीवन का अनमोल हिस्सा हैं।
बुढ़ापे में जवानी के प्यार को याद कर,
दिल फिर से जवान हो जाता है।

हमारी प्रेम कहानी का ये सफ़र,
हर मोड़ पर ख़ूबसूरत रहा है।
तेरे साथ जीने का ये एहसास,
मेरे जीवन की सबसे बड़ी दौलत है।

प्रेम यात्रा के इस अंतिम पड़ाव के साथ हमारी काव्य यात्रा को भी विराम देते है
प्रेम यात्रा की लय ख़राब ना हो इसलिए इसमें अन्य कविताएँ नहीं जोड़ी